भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 1870
दिनांक 30 जुलाई, 2026

ई-25 पेट्रोल की शुरुआत

†1870. **श्री सेल्वाराज वी.:**
श्री सुब्बारायण के.:

क्या ***पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार पच्चीस प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की शुरुआत करने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या ई-20 पेट्रोल से वाहनों की माइलेज और प्रदर्शन पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण को 20% से अधिक बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। उच्च एथेनॉल मिश्रण के संबंध में भविष्य में कोई भी निर्णय विस्तृत वैज्ञानिक और तकनीकी अध्ययन और ऑटोमोबाइल निर्माताओं, तेल विपणन कंपनियों और अनुसंधान संस्थानों सहित सभी प्रासंगिक हितधारकों के साथ परामर्श के बाद ही लिया जाएगा।

(ख) एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम को नीति आयोग, ऑटोमोबाइल निर्माताओं, तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीज), ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम), भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (आईआईपी) और अन्य तकनीकी संस्थानों को शामिल करते हुए एक चरणबद्ध, वैज्ञानिक रूप से मान्य और परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से लागू किया गया है।

एआरएआई, एसआईएएम, आईओसीएल, आईआईपी और ऑटोमोबाइल निर्माताओं द्वारा किए गए व्यापक प्रयोगशाला अध्ययनों और क्षेत्र परीक्षणों में इंजन की मजबूती, चलाने की क्षमता, कोल्ड स्टार्टिंग की क्षमता, जंग प्रतिरोध, सामग्री अनुकूलता, ईंधन प्रणाली की विश्वसनीयता, उत्सर्जन प्रदर्शन और ईंधन दक्षता को शामिल किया गया है और यह पुष्टि की गई है कि ई20 निर्धारित मानकों के तहत उपयोग के लिए सुरक्षित है।

इन अध्ययनों से यह भी स्थापित हुआ कि ई20 के कारण पुराने वाहनों के प्रदर्शन में कोई महत्वपूर्ण बदलाव या असामान्य टूट-फूट नहीं होती है। इन व्यापक प्रयोगशाला अध्ययनों, क्षेत्र सत्यापन और वास्तविक दुनिया के परिचालन अनुभव से ई20 ईंधन के कारण वाहन के प्रदर्शन पर किसी भी व्यापक प्रतिकूल प्रभाव की पुष्टि नहीं हुई है।

माइलेज के संबंध में सरकार एजेन्सियों और ऑटोमोबाइल निर्माताओं द्वारा किए गए अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि ईंधन दक्षता कई कारकों से प्रभावित होती है, जिनमें ड्राइविंग की दशाएँ, ड्राइविंग की आदतें और वाहन का रखरखाव शामिल हैं। कुछ ई10 डिज़ाइन वाले वाहनों में ईंधन दक्षता में कोई भी कमी आमतौर पर लगभग 3-5% होती है, जबक ई20 उच्च ऑक्टेन, बेहतर एंटी-नॉकिंग प्रदर्शन, बेहतर दहन विशेषताएँ, सुगम इंजन प्रदर्शन देता है।

एसआईएएम और एआईएआई के अनुसार, ई20 त्वरण और सवारी की गुणवत्ता में सुधार करता है, साथ ही कार्बन उत्सर्जन को कम करता है। एथेनॉल का उच्च ऑक्टेन मान आधुनिक उच्च-संपीडन इंजनों के लिए उपयुक्त है और इसकी उच्च वाष्पीकरण ऊष्मा दहन दक्षता को बढ़ाती है।

सार्वजनिक जागरूकता पहल के अंतर्गत ई20 ईंधन का सभी पेट्रोल वाहनों के साथ बिना किसी प्रदर्शन समस्या के तकनीकी अनुकूलता और एथेनॉल मिश्रण के पर्यावरण और ऊर्जा सुरक्षा के लाभों के बारे में उपभोक्ताओं को शिक्षित किया जाता है। शिकायत निवारण तंत्र के माध्यम से प्राप्त उपभोक्ता प्रतिक्रिया की नियमित रूप से ओएमसीज़ द्वारा निगरानी की जाती है, और एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के दौरान उपभोक्ता विश्वास सुनिश्चित करने के लिए जहां भी आवश्यक हो, उचित सुधारात्मक उपाय किए जाते हैं।

*****